

संबंध का युवक अथवा युवती पात्र, प्रिय अथवा प्रेयसी।

यारडांग पुं. (अर.) हवा के कारण रेतीले मैदान में बनी हुई एक ऊबड़-खाबड़ मुंडेर।

यारबाश वि. (फा.) 1. यारी-दोस्ती में अधिक व्यस्त रहने वाला, पारस्परिक संबंधों में मस्त रहने वाला 2. रसिक, यारबाज़।

याराना पु. (फा.) 1. यार-दोस्तों का आपसी संबंध, दोस्ताना 2. मधुर प्रेम की मित्रता पु. आसान काम, सरल बात, विशेष- केवल नकारात्मक उक्ति में ही प्रयुक्त जैसे- "नांगा देवी पर्वत पर चढ़ना कोई याराना नहीं है"।

यारी स्त्री. (फा.) 1. रिश्ते-नाते के संबंधों के आपसी संबंध 2. रसपूर्ण मित्रता 3. नारी पुरुष के अनुचित संबंध।

याल स्त्री. (तुर्की.) घोड़े की गर्दन के ऊपर वाले बाल, अयाल।

यावज्जीवन क्रि.वि. (तत्.) जब तक जीवित रहें, आजीवन, जीवनपर्यंत, जीवन भर।

यावत् अव्य. (तत्.) जब तक, जिस अवस्था तक वि. 1. जितना 2. ज्यों ही।

यावनी वि. (तत्.) 1. यवन से संबद्ध मुसलमानों की 2. इस्लाम संबंधी हरा पत्थर, ऐसा माना जाता है कि इससे अनेक शारीरिक और मानसिक रोगों में फायदा होता है, यह बिजली गिरने से भी बचाव करता है 3. करंकशाली नामक ईख 4. रसाल।

यास्क पु. (तत्.) वैदिक निरुक्त के रचयिता एक प्रसिद्ध ऋषि, इनका समय लगभग 32 वीं शती ईस्वी पूर्व का है, 'निरुक्त' इनका प्रसिद्ध ग्रंथ है।

यीशु पुं. (तत्.) ईसाई मत के प्रवर्तक ईसा, ईसा मसीह।

युक्त वि. (तत्.) 1. किसी से जुड़ा, मिला, लगा हुआ 2. बंधा हुआ 3. शामिल, समाहित 4. जुए में जुता हुआ 5. नियुक्त 6. तल्लीन, एकाग्र (ध्यान में युक्त) 7. क्रियाशील 8. योगी जो

योग का अभ्यास कर चुका हो 9. चार हाथ की लंबाई का एक माप।

युक्तकोशी वि. (तत्.) मैथुनी सृष्टि।

युक्तखंड पुं. (तत्.) जुड़े हुए जीवाश्म।

युक्तविदरकी स.क्रि. (तत्.) ताल बदलना, अक्षर लोप करना।

युक्तांगुलि स्त्री. (तत्.) जीव. हाथ या पैर की जुड़ी हुई उंगली, उंगलियों के जुड़े होने की स्थिति, मांस की झिल्ली से जुड़ी अंगुलियाँ, प्रायः जलीय जीवों में ऐसा होता है।

युक्ता स्त्री. (तत्.) काव्य. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः 2 नगण और 1 मगण (ननम) के योग से 9 वर्ण होते हैं तथा 7-2 पर यति होती है।

युक्ताक्षर (तत्.) संयुक्त वर्ण, दो वर्णों के योग से बना अक्षर जैसे क्+ष् के संयोग से से क्ष अक्षर बनता है, ज्+ञ् से ज्ञ बनता है।

युक्तार्थ वि. (तत्.) 1. अर्थ से युक्त, अर्थयुक्त, अर्थ वाला 2. ज्ञानी, बुद्धिमान, समझदार।

युक्ताहार पु. (तत्.) उपयुक्त, उचित, ठीक आहार।

युक्ति स्त्री. (तत्.) 1. उपाय, तरीका, जुगाड़, तरीका, योजना 2. तर्क, दलील, विचार 3. चातुर्य, अनुमान।

युक्तिमूलक वि. (तत्.) तर्क संगत, पूर्ण संगत, विचारपूर्ण, सुनियोजित।

युक्तियुक्त वि. (तत्.) जो युक्ति, तर्क की दृष्टि से ठीक व उचित हो, युक्तिपूर्ण, तर्कसंगत, उचित, ठीक।

युक्तिवाद पु. (तत्.) बुद्धिवाद, तर्कवाद।

युक्तिसंगत वि. (तत्.) युक्तियुक्त, युक्तिपूर्ण, तर्कसंगत, उचित।

युगंकर वि. (तत्.) युगप्रवर्तक युगनिर्माता, नया युग लाने वाला, युग परिवर्तन करने वाला, परिवर्तनकारी।